7

सिलाई हेतु मापन व कटाई

मापन के बिना वैज्ञानिक किसी भी प्रकार का प्रयोग या सिद्धांत नहीं बना सकते हैं। मापन विज्ञान एवं रसायन के अलावा खेती, अभियांत्रिकी, उत्पादन, वाणिज्य, निर्माण और अनेक क्रियाओं तथा व्यवसाय के काम आता है। दैनिक जीवन में मापन का विशेष महत्व है। यह मूल कार्यों के लिए बहुत महत्व रखता है। उदाहरण के लिए बालक के तापमान का मापन, समय-सारणी बनाना, दवाईयों को समय पर देना, वजन नापना और अन्य पदार्थों के परिणाम जानना आदि। मापन का प्रयोग किसी वेशभुषा को बनाने के लिए भी किया जाता है। सिलाई करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि आप भली भांति मापन करें अन्यथा वेशभूषा उपयुक्त नहीं होगी। उचित मावन और सही कटिंग से वेशभूषा उपयुक्त तो होती है, साथ ही आप व्यवसायिक रूप से सुंदर और अच्छे कपड़े/वेशभूषा बना सकते हैं।

उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप-

- सिलाई में उचित मापन एवं सही कटिंग का महत्व बता सकेगें;
- सिलाई के उपकरणें की पहचान व कार्य समझा सकेगें;

- विभिन्न वेशभूषा के लिए प्रयुक्त होने वाले कपड़े एवं उनके मापन की आवश्यक सूची बना पाएगें;
- मापन की सही प्रक्रिया की व्याख्या कर पाएगें; और
- सिलाई में कटिंग एवं मापन लेने की ध्यान देने योग्य बातें बता पाएगें।

7.1 सिलाई में उचित मापन व कटिंग का महत्व

कोई भी वेशभूषा बनाने के लिए मापन लेना पहला कदम है। एक अच्छा दर्जी बारीकी पर ध्यान देता है। अनेक कारणों से उचित शारीरिक मापन और कटिंग आवश्यक है। ग्राहक के माप से कुछ सें.मी. कम या ज्यादा होने से उसके व्यक्तित्व व वेशभूषा पर प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए, बडे कपड़े पहनने से ऐसे लगता है कि एक महिला ने बडे व्यक्ति के कपड़े पहन रखे हैं जबकि टाइट कपडों में यह असहज महसूस कर सकती है। उससे भी वे कपडे किसी और के पहने हुए लगेगें। उचित मापन से आपकी शैली ही नहीं बल्कि कपडों को पहनने का सलीका भी बदल जाता है। उदाहरण के लिए, एक बडा व्यक्ति यदि छोटी जैकेट पहनेगा तो या तो वह फट जाएगी या बटन टूट जाएगें। उचित शारीरिक मापन दर्जी के लिए आवश्यक है क्योंकि कपडे के लिए आवश्यकता होती है। हर सूट या वेशभूषा के निर्माण के लिए सामग्री की आवश्यकता होती है। यदि दर्जी ज्यादा कपडे का प्रयोग करेगें तो ज्यादा खर्च आएगा। साथ ही कटने के पश्चात् कपडे को वापिस नहीं बनाया जा सकता। सही मापन के बिना कपडे व सामग्री सब हमेशा के लिए खराब हो जाते हैं।

7.2 मापन उपकरण

समय व धनराशी को बचाने के लिए उचित सिलाई उपकरण आवश्यक है। हर मापन के लिए एक विशेष उपकरण की आवश्यकता होती है। सिलाई हेतु मापन उपकरण और शारीरिक मापन बेहद महत्वपूर्ण है। इससे वेशभूषा पूर्ण रूप से फिट होती है। मापन अधिकतर आवश्यकता पर और सही प्रकार से लिए जाते

है। निम्न कुछ मापन उपकरण है जो हर सिलाई डिब्बे में पाए जाते हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं–

1. नापने का फीता (Tape Measure)

चित्र 7.1 : नापने का फीता

मापने का फीता लगभग 60 इंच लंबा और 5.8 चौडा होता है। यह प्रतिवर्ती (reversible) होता है। इसमें एक तरफ इंच एवं दूसरी तरफ से.मी. का मापन दिया होता है। यह सही मापन लेने के लिए उचित माध्यम है। इसका लचीला पदार्थ खिंचता नहीं है तथा कार्य पूरा होने पर आसानी से तह बन जाती है। इसी विशेषता के कारण यह सिलाई हेतु महत्वपूर्ण उपकरण है। सभी प्रकार के मापन आसानी से किए जा सकते हैं।

2. यार्ड छडी (Yard Stick)

चित्र 7.2 : यार्ड छडी

यार्ड छडी में दोनों इंच और सेंटीमीटर होते हैं। यह एक आसान उपकरण है जो कपडे के अनुसार कार्य करता है। कपडे के धागे के आधार पर इस उपकरण का प्रयोग होता है। कपडे खरीदते समय इस उपकरण का प्रयोग किया जाता है। यह लकडी या धातु का बना होता है। पहनावा बनाने व कपडे जांचने के लिए यह प्रयुक्त होता है।

3. मापदंड/स्केल (Ruler)

चित्र 7.3 : मापदंड/स्केल

यह अधिकतर 12 इंच या 18 इंच लंबा होता है। इसका मुख्य प्रयोग साधारण चीजों को मापने के लिए किया जाता है। यह सीधी रेखा बनाने के लिए किया जाता है। यह एक ऐसा उपकरण है जिससे अनेक क्रियाकलाप किये जाते हैं।

4. सी थ्रू मापदंड (See through ruler)

एक सी थ्रू रूलर अधिकतर 12 से 18 इंच का होता है। इसमें अपने पिछले मापे गए निशान नजर आते है। यह सीध किनारे, सामातंर रेखा, बटन के स्थान; हुक और पिन लगाने के लिए महत्वपूर्ण है। यह कपडे के रेशों की जांच करता है।

चित्र 7.4 : सी थ्रू रूलर

5. सीम गेज (seam gauge)

यह एक छोटा स्केल होता है जो लगभग 6 इंच लंबा होता है। इसे 'Sleding marker' कहा जाता है। एक तरफ इंच और दूसरी तरफ सेंटीमीटर होता है। इस उपकरण की सहायता से सटीक मापन किया जाता है। यह कपडे की किनारी, कोण, बटन स्थान, प्लेटस और अन्य परिवर्तनों के लिए प्रयुक्त होता है।

चित्र 7.5 : सीम गेज

6. सी थ्रू टी-स्केवर (see through t-square)

चित्र 7.6 : टी-स्केवर

यह उपकरण कपडे के धागों में आने वले परिवर्तनों, सीधे किनारी और वेशभूषा परिवर्तन के काम आता है।

7. वक्र रनर (Curve Runner)

चित्र 7.7 : वक्र रनर

वक्र रनर का प्रयोग कपडे में आए वक्र के मापन हेतु किया जाता है। इसके आर-पार नजर आता है, जिससे मापन आसान हो जाता है।

8. गोल स्केल (Ring Ruler)

चित्र 7.8 : गोल स्केल

इसकी सहायता से आप अलग-अलग नाप के गोलाकार वस्त्र काट सकते है। यह एक अच्छा उपकरण है गोल तकिए अथवा घर के लिए सजावट का सामान बनाने हेतु।

7.3 कटिंग उपकरण

आइए समझते हैं कि कटिंग उपकरण का क्या अर्थ है? यहाँ हमारा तात्पर्य कैंची, कतरनी, चक्रीय कटिंग उपकरण (Rotary cutting toods) और सिलाई करने के लिए रिपर्स (seam rippers) आदि से है। इन सभी कटिंग के हथियारों को सुरक्षित एवं तेज धार वाला रखना चाहिए। सभी उपकरणों की देख रेख व धार समय-समय पर करनी चाहिए। कटिंग उपकरण सिलाई हेतु बेहद महत्पूर्ण है। यह हमें सिलाई के कार्य को बेहद व्यवसायिक रूप से पूरा करने में सहायता करते है। इसकी गुणवत्ता बेहतरीन हो और बजट में भी शामिल हो सके, इस बात पर भी सिलाई कर्त्ता विशेष ध्यान देता है। सर्वश्रेष्ठ सिलाई कटिंग उपकरण उच्च स्तर की स्टेनलैस स्टील से बनती है।

1. मुडी हुई कैंची (Bent handled sliears)

यह कैंची कपडे के लिए उपयुक्त है। यह वास्तविक कार्य प्रणाली और कपडे को साथ रखते है। इसकी ब्लेड का आकार (विशेषकर नीचे वाली ब्लेड) कपडे को सीधा काटने में सहायक है। यह 7 या 8 इंच लंबी होती है। भारी स्टेनलैस स्टील से बनी यह कैंची आपके हल्के, वजनी कपडों को काटने में भी सहायक है।

चित्र 7.9 : मुडी हुई कैंची

2. आरीदार कैंची (Pinking Sliears)

चित्र 7.10 आरीदार कैंची

आरीदार कैंची को वेशभूषा काटने वाली कैंची के साथ भ्रमित नहीं होना चाहिए। यह आरीदार या नुकीली होती है जो कपडों को वक्र आकृति में काटता है। यह कैंची कपडों के किनारों को सजाने में सहायक है। इस प्रकार की कैंची ऐसी सिलाई बनाती है जिसमें उधेडने की कम संभावना होती है।

3. कैंची (Scissors)

चित्र 7.11 : कैंची

सिलाई कैंची का प्रयोग कपडे और कागज को काटने के लिए किया जाता है। कागज और कपडे को वास्तविक स्थिति में प्रयोग किया जाता है। यह कैंची कपडे को काटने के लिए प्रयोग की जाती है। इसलिए इसका प्रयोग कागज काटने के लिए नहीं करना चाहिए। इससे इस कैंची की धार समाप्त हो जाती है। सिलाई कैंची को ट्रिमिंग (छोटा करना) कैंची कहा जाता है क्योंकि यह किनारों से अधिक कपडा काटने में प्रयुक्त होती है। इन कैंचियों का लगभग 6 इंच लंबा ब्लेड होता है।

4. सीप रिपर (Seam ripper)

चित्र 7.12 : सीम रिपर

यह विशेषकर बनाया गया है ताकि कपडे की सिलाई उधेडने या परिवर्तन करना आसान हो। इसकी सहायता से सिलाई आसानी से उधड जाती है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि इसके प्रयोग से कपडे को नुकसान ना हो।

5. धागा कतरनी (thread clippers)

चित्र 7.13 : धागा कतरनी

धागा करतनी एक उपकरण है। इसमें स्प्रिंग का प्रयोग होता है। यह केवल धागा काटने के लिए उपयोगी है। कपडे काटने के लिए यह अनुपयोगी है। यदि इसका प्रयोग कपडे काटने में किया जाता है तो यह बेहद खराब होगा।

6. कागज कैंची (Paper scisors)

चित्र 7.13 : कागज कैंचीं

जिस प्रकार कपडे काटने वाली कैंची को कागज काटने के लिए प्रयोग नहीं करते हैं, उसी प्रकार हमें हमारी सिलाई सामग्री में एक सामान्य कैंची रखनी चाहिए जिसकी सहायता से हम जब चाहें, जैसा चाहें कागज पर सिलाई रूपरेखा एवं डिजाइन बना सकें।

7. धूर्णी कर्तन (Rotary cutter)

चित्र 7.14 : धूर्णी कर्तन

यह एक ऐसा उपकरण है जो आपका घंटों का समय बचा सकता है। इससे ब्लेड का धूमना आसान हो जाता है और यह कई तह में रहने वाले कपडे को काट सकता है। इससे आपको एक साफ सुथरी कपडे की किनारी प्राप्त होती है।

पाठगत प्रश्न 7.1

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. सिलाई कैंची को ..... कैंची भी कहा जाता है।
2. सीम गाज एक छोटा 6 इंच का स्केल है जिसे ..... कहा जाता है।
3. आरीदार कैंची के ..... किनारे होते हैं।
4. ..... लचीले पदार्थ से बनता है जो खिंचता नहीं है और आसानी से एकत्रित हो जाता है।
5. ..... की कटिंग उपकरण में उपस्थिति धागा काटने में सहायक है।

टिप्पणी

7.4 मापक के प्रकार

शरीर के अन्य अंगों का भी मापन किया जाता है। इसे तीन भाग में रखा जाता है :

- क्षैतिज मापन
- लम्बवत् मापन
- परिधीय मापन

नोट :

परिधि मापन – यह क्षैतिजाकार मापन है। यह अधितकर शरीर की समस्त परिधि में प्रयुक्त होता है।

लम्बवत् मापन – यह शरीर के ऊपरी भाग से नीचे के भाग तक लिया जाता है।

परिधि मापन – यह शरीर के चारों और से लिया जाता है। यह गोलाकार मापन भी कहलाता है।

लम्ब मापन – यह लम्बवत् मापन होता है। इसका प्राथमित उद्देश्य शरीर के संदर्भ बिन्दुओं के मध्य दूरी का मापन करना होता है।

क्षैतिज मापन – यह मापक शरीर के बाऐं से दाऐं की ओर मापा जाता है।

शरीर के विभिन्न अंगों का माप लेने की प्रक्रिया :

शरीर के अनेक भागों को मापा जाता है। यह माप निम्न है :

कंधा – यह मापन बाऐं कंधे के सिरे/कोन से दायें कंधे के सिरे तक लिया जाता है। यह हल्का गोलाकार (Curve) होता है ताकि रीढ़ व कंधे की हड्डी का माप आ सके।

छाती (बिंदु चौडाई)/सर्वोच्य (apex) दूरी – यह मापन छाती के बायें बिंदू से छाती के दायें बिंदू तक किया जाता है। यह मापन छाती के आर–पार मापता है।

छाती – यह मापन इंच टेप की सहायता से मापा जाता है। यह सामने, पीछे व साइड सभी दिशाओं को मापता है।

कमर – यह धड के नीचे उपस्थित छोटे से शारीरिक अंगों का मापन करता है।

प्रथम कमर – यह मापन वहाँ से लिया जाता है जहाँ पेट सर्वाधिक बाहर होता है।

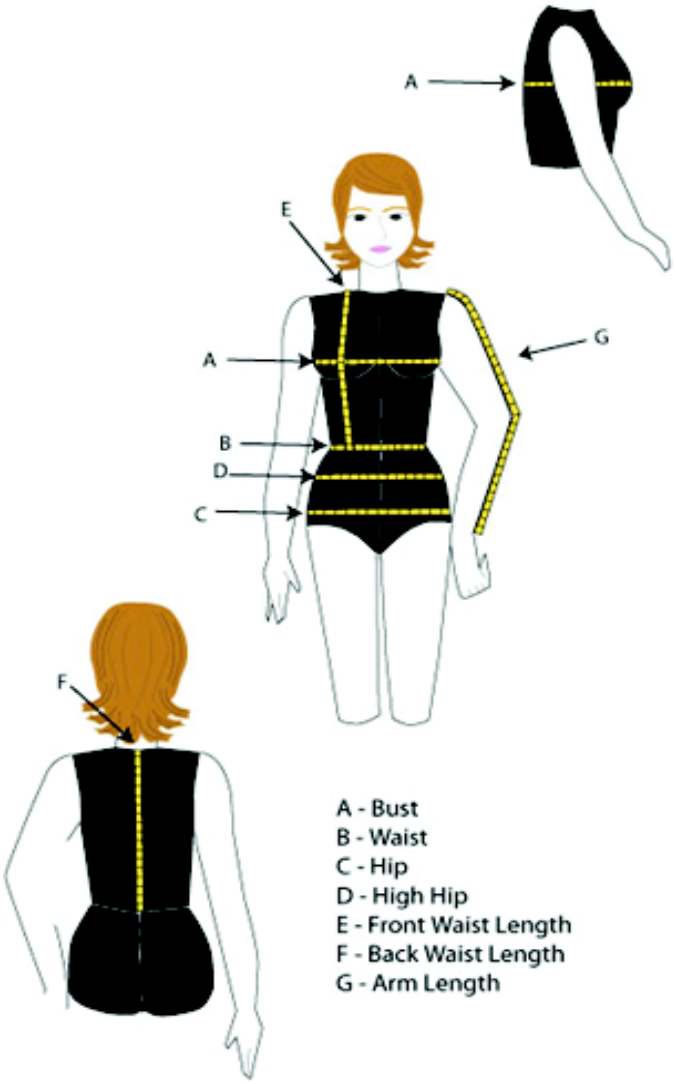

चित्र 7.14 : मापन की प्रक्रिया

टिप्पणी

द्वितीय कमर – यह कूल्हों के अनुसार मापन होता है। यह हिप का सर्वाधिक बाहय हिस्सा मापता है।

परिधि मापन

बांह मापन (Arm hole) – बांह की कटिंग के लिए मापन कंधे को गोलाकार मापा जाता है।

बांह परिधि – बांह के चारों ओर का मापन किया जाता है।

फिगर बैक (शरीर के पीछे के हिस्सों का मापन) – यह मापन पीछे के हिस्से से लिया जाता है। यह शरीर के पीछे के हिस्से के केन्द्र बिन्दू से नीचे तक लिया जाता है।

फिगर फ्रंट (शरीर के आगे के हिस्से का मापक)– यह मापन गर्दन के बिन्दू से छाती से होते हुए कमर तक का मापक है।

छाती (बिन्दु ऊँचाई)/सर्वोच्य ऊँचाई – यह गर्दन के बिन्दु से छाती के सर्वोच्य बिन्दु तक मापी जाती है।

बांह की लंबाई – यह कंधे के बिन्दु बांह की इच्छित लंबाई तक मापा जाता है।

स्कर्ट की लंबाई – यह कमर से स्कर्ट की इच्छित लंबाई तक मापा जाता है।

पैंट की लंबाई – कमर से नीचे तक पैंट की इच्छित लंबाई तक का मापन किया जाता है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि सटीक शारीरिक मापन किया जाए जिससे सही तरीके से वेशभूषा तैयार हो सके। यह कपडे की फिटिंग भी सही रखता है। कपडे अधिक ढीले व टाइट नहीं होना चाहिए।

7.5 मापन लेने व लिखने की क्रमबद्ध प्रक्रिया

यह भी आवश्यक है कि मापन एक निश्चित क्रम में किया जाए। यह प्रक्रिया को आरामदायक बनाता है। यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि सभी मापन सही प्रकार से लिया जाए। यह मापन को नोट करना आसान बनाता है। कपडे बनाते समय यह उपयोगी है।

शारीरिक मापन निम्न क्रम में लिए जाने चाहिए :

सबसे पहले लम्बत् मापन

1. शारीरिक लंबाई
2. कमर लंबाई
3. कंधे से कंधे की लंबाई
4. बांह की लंबाई

तत्पश्चात् क्षैतिज मापन–

1. छाती गोलाकार मापन
2. कमर गोलाकार मापन
3. हिप गोलाकार मापन
4. गर्दन गोलाकार मापन
5. हाथों गोलाकार मापन

हमें मापन को तत्कालिक रूप से नोट करना चाहिए। आप हमेशा एक मापन चार्ट को बना कर रख सकते हैं। यह मापन इस चार्ट में नोट किया जाता है। इससे गलती होने की संभावना कम हो जाती है। एक नमूना चार्ट आपकी सहायता के लिए नीचे दिया गया है।

टिप्पणी

मापन चार्ट

शरीर के अंगों के नाम	मापन इंच/से.मी.
चोली के लिए	
1. गर्दन	
2. कंधा	
3. कंधे की चौडाई/बैक चौडाई	
4. सर्वोच्य छाती मापन	
5. छाती	
6. कमर	
7. उच्च हिप	
8. बांह को गोलाकार/कंधा साईकिल	
9. सामने कमर माप	
10. कंधे से छाती	
11. हिप	
12. छाती बिन्दु की दूरी	
13. पीछे कमर लंबाई	
14. आगे से गले की गहराई	
15. पीछे से गले की गहराई	

बांह मापन	
16. ऊपरी कंधा 17. निचला कंधा 18. कोहनी 19. कलाई 20. बाजू की लंबाई	
स्कर्ट मापन	
21. कमर से हिप 22. स्कर्ट की लंबाई	
पैंट मापन	
23. पैंट की लंबाई 24. पैंट की इनसीम 25. टांग की परिधि (अ) जांघ (ब) घुटना (स) कफ (द) टकना 26. क्रोच लंबाई 27. क्रोच गहराई	

7.6 शारीरिक मापन लेते समय ली जाने वाली सावधानियाँ

शारीरिक मापन हेतु कुछ सामान्य दिशा निर्देश :

- जिस व्यक्ति का माप लेना हो वह भी सीधा खडा हो। दोनों पैरों के मध्य 15 से.मी. की दूरी रखकर खडा होना आवश्यक है।
- यह बेहतर होगा कि वह व्यक्ति अपनी फिटिंग के कपडे पहनकर माप दे। ढीले कपडे ना पहने। यह मापन को प्रभावित करता है।
- यह भी आवश्यक है कि आप अंदरूनी कपडे फिटिंग के साथ वेशभूषा के नीचे पहने। यह महत्वपूर्ण है कि आप फिटिंग के कपडे जैसे टाइट गाउन, फिटिंग ब्लाउज या चोली पहनें।
- यदि आप ऊँची एडी के चप्पल पहन कर गाउन पहनना चाहते हैं तो माप देते समय वह चप्पल या उस जैसी समान चप्पल अवश्य पहनें।
- एक अच्छा और सटीक मापन यंत्र (इंच टेप) का प्रयोग कीजिए। उसका स्तर आप जमीन या फर्श के समकालीन/समांतर रखने का प्रयास करें। यह क्षैतिज मापन में सही व सटीक माप लाने में सहायक है।
- पुरानी कहावत ध्यान रखें – दो बार मापें और एक बार कपडा काटें।
- यदि आप अपने स्वय के मापन हेतु किसी अन्य व्यक्ति की मदद लें, तो यह बेहतर होगा।
- मापन लेने वाला व्यक्ति मापन देने वाले व्यक्ति के दायें तरफ खडा हो।
- सभी परिधि मापन को इंच टेप को फर्श के सामान्तर रख कर लिया जाता है। साथ ही यह इतना ढीला होना चाहिए कि दो उंगली आराम से माप में आ सकें।

7.7 कटिंग हेतु सावधानियाँ

कटिंग कपडे को टुकडों में काटना है। इन टुकडों को जोडकर व सिलकर वेशभूषा का निर्माण होता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है जिससे वेशभूषा का उत्पादन किया जाता है। यह काटना, गोलाकार व कपडे सीलने को मिलाकर बना है। यह कपडों के टुकडों को कटिंग करने में अनेक महत्वपूर्ण कारक हैं। यह है :

- कपडे की प्रकृति (मोटाई, रंग, धागे आदि)
- कपडे की मोटाई
- वेशभूषा के अंतिम स्वरूप का डिजाइन एवं विशेषताऐं।

आप कपडों को सटीक रूप से काटना प्रारंभ करें। यह ध्यान रखें कि डिजाइन सही प्रकार से कपडे पर रखे जाते हैं और आपने यह ध्यान दिया है कि कुछ टुकडों की संख्या एक से अधिक है। कुछ टुकडों को लगभग चार बार समान रूप से काटना होता है। उदाहरण - जेब एवं कमर की पट्टी आदि। यह भी ध्यान रखें कपडे रोकने की पिन और काटने हेतु कैंची तेज धार वाली हो। खराब धार व नोक वाली पिन नरम व मुलायम कपडो को खराब कर सकती है। इससे आपकी कटिंग सटीक होने में समस्याऐं आ सकती है।

आमतौर पर कपडा काटने के लिए मुडे हाथ वाली कैंची का प्रयोग किया जाता है। कपडे को लम्बवत् रखें। काटते समय लम्बवत कपडे पर अपनी कैंची संभालकर रखें और तेजी से चलाऐं।

कटिंग का उद्देश्य होता है कपडे के भागों को अलग-अलग करना। यह कपडों के टुकडे सिलाई योजना में बनाए गए मार्कर के निशान के समान होते है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए निम्न चीजों की पूर्ति की आवश्यकता होती है :

- कटिंग की शुद्धता
- साफ-सुथरे किनारे
- लगातार कटिंग करते रहना

टिप्पणी

कटिंग हेतु ली जाने वाली सावधानियाँ

- लंबी व तेज धार वाली कैंची का प्रयोग करना चाहिए।
- लंबे व साफ-सुथरे तरीके से कपडे काटने चाहिए। छोटे टुकडों में कपडा नहीं काटना चाहिए।
- योजना की रेख पर सटीक रूप से काटना चाहिए।
- कटिंग योजना को एक हाथ से पकडना चाहिए। यह तब तक पकडें जब तक आप कपडे को काट रहे हैं।
- काटने समय कपडे को टेबल/मेज से उठाना नहीं चाहिए। साथ ही कटिंग मेज व स्थान को भी कटिंग करते समय उठाना या हिलाना नहीं चाहिए।
- आडे-तिरछे किनाने काट देने चाहिए। यह कटिंग योजना को सफल बनाने हेतु आवश्यक है। कटिंग किए हुए टुकडों को जोडते समय कटे किनारे परेशानी कर सकते है।

कपडों को सिलते समय व कटिंग उपकरण हेतु कुछ सावधानियाँ

- अपने कटिंग उपकरणों को हमेश साफ रखें। उन्हें सूखे व नरम कपडे से साफ करते रहे। यदि आपको उनमें कुछ गंदगी नजर आए तो तुरंत पोंछ दें।
- काम ना आने पर उन्हें डिब्बे में बंद करे। यह उपकरण बेहद पैने होते हैं। यह बच्चों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथ ही पालतू जानवर को भी चुभ सकते हैं।
- उन्हें समय समय पर आवश्यकतानुसार तेल दें। अधिक तेल साफ कर देना चाहिए। साफ करने के लिए सूखे कपडे का प्रयोग किया जाता है।
- व्यवसायिक लोगों की मदद से या खुद ही उन्हें समय-समय पर धार लगवाते रहना चाहिए। जैसे ही आपको लगे उनकी धार खराब हो गयी है तुरंत उनमें धार लगवाऐं। खराब व धारहीन उपकरणों से कपडे खराब हो जाते हैं।

पाठगत प्रश्न 7.2

निम्न शब्दावली की एक वाक्य में व्याख्या कीजिए :

1. परिधि मापन (girth Measurements)
2. लम्बत् मापन (Vertical Measurrements)
3. गोलाकार मापन (Horizontal Measurements)
4. क्षैतिज मापन (Length Measurements)
5. लम्ब मापन

आपने क्या सीखा

- सिलाई में सटीक मापन और कटिंग का महत्व
- सिलाई में मापन उपकरण
- सिलाई में काटने के उपकरण
- अलग-अलग कपडों के लिए मापन की आवश्यकता
- मापन लेने की सही प्रक्रिया
- मापन नोट करने का चार्ट तैयार करना
- मापन और कटिंग के लिए की जाने वाली सावधानियाँ

पाठांत प्रश्न

1 सिलाई में सटीक मापन क्यों आवश्यक है?

2. सिलाई हेतु उपयोग किए जाने वाले उपकरणों की सूची बनाकर व्याख्या कीजिए।

3. कटिंग हेतु प्रयुक्त उपकरणों की सूची बनाकर व्याख्या कीजिए।
4. वेशभूषा बनाने में नोट करने वाले विभिन्न मापन का नाम लिखिए।
5. मापन लेते समय कौन-कौन सी सावधानियाँ लेनी चाहिए।
6. आप अपने कटिंग उपकरणों की देखभाल किस प्रकार करेगें?

उत्तरमाला

7.1

1. ट्रिमिंग
2. Sliding marker (स्लाइडिंग मार्कर)
3. नुकीले
4. मापन टेप
5. स्प्रिंग आरी (धागा करतनी)

7.2

1. परिधि मापन - यह क्षैतिजाकार मापन लिया जाता है। यह अधिकतर पूरे शरीर के वह भाग का मापन करती है।
2. लम्बत् मापन - यह शरीर के ऊपर के हिस्से से नीचे तक लिया जाता है।
3. गोलाकार मापन - यह पूर्ण शरीर के चारों ओर का मापन है।
4. क्षैतिजाकार मापन - यह शरीर के बाऐं भाग से दाऐं भग की ओर मापा जाता है।
5. लम्ब मापन - यह लंबाई में मापा जाता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य होता है कि शरीर के संदर्भ बिन्दुओं की दूरी का मापक करना जिससे वेशभूषा फिट आए।